

७<sup>५</sup>  
७

कठपुतली को मध्य काल में पेश किया।  
 दोनों पक्षों को समझने के लिए अलग से  
 पाठ्यक्रम (सिद्ध) तैयार किया। विशेषकर  
 सामाजिक जीवन में दोनों को समझाने के लिए।  
 यह पाठ्यक्रम अत्यंत सरल रूप में (कठपुतली  
 के अलग अलग हिस्सों को देखकर ही काम  
 किया गया। यह एकमात्र प्रयोग है।

७